>

Title: Need to generate Central Reserve Fund in each district in the country.

श्री धनंजय सिंह (जौनपुर): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। आपको चेयर पर देखकर मुझे लगा कि यह एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है, इसलिए इसे शून्यकाल में उठाना बहुत आवश्यक है। मैं उम्मीद करूंगा कि जो विषय शून्यकाल में उठते हैं, उनके बारे में आप सरकार को निर्देशित करेंगे कि वह उन पर गंभीरता से ध्यान दे।

उपाध्यक्ष महोदय : सरकार यहां बैठी है, ध्यान दे रही है।

श्री धनंजय सिंह : सरकार ध्यान नहीं देती है, इसीलिए मैं आपसे निवेदन कर रहा हूं।

महोदय, आप भी ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं, यहां जो अधिकांशतः सांसद बैठे हैं, वे ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं। उनके संसदीय क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा ग्रामीण क्षेत्र में पड़ता है। उपाध्यक्ष जी, आप भी ग्रामीण क्षेत्र से हैं। हम लोग देखते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों मे अधिकांश लोगों के गरीब परिवारों के घर छप्पर के बने होते हैं। यदि उन्होंने एक कमरा बना लिया तब भी उनके घर पर आठ-दस छप्पर पड़े होते हैं, जिनके नीचे वे लोग रहते हैं। उनकी गाय, भैंस, अनाज आदि सब चीजें उनके नीचे रहती हैं। अभी गर्मी का मौसम शुरू हो रहा है, मार्च का महीना है, गर्मी के मौसम में हम लोग देखते हैं कि अक्सर बहुत बड़ी-बड़ी आग लगती हैं, जिसमें पूरा गांव का गांव जल जाता है। उसके तुंत बाद जून-जुलाई से उन्हें बाढ़ की त्रासदी भी झेलनी पड़ती है।

उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि भारत सरकार यह प्रयास करे कि जो जिले बने थे, उन प्रत्येक जिलों में सैंट्रल रिजर्व फंड जनरेट करें, जिससे कि जो पीड़ित व्यक्ति होते हैं, जो प्राकृतिक आपदा का सामना करते हैं, जिनके घर जल जाते हैं, बाढ़ में बह जाते हैं, उन्हें एक लम्बी प्रक्रिया के तहत गुजरना पड़ता है, जिसमे डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन स्टेट को प्रपोजल भेजता है, स्टेट गवर्नमैन्ट सैंट्रल गवर्नमैन्ट को प्रपोजल भेजती है तो पता चलता है कि डेढ़-डेढ़, दो-दो साल बाद उन्हें रिलीफ मिल पाता है।

मेरा आपसे आग्रह है कि क्या भारत सरकार इस दिशा में विचार कर रही है, यदि विचार नहीं कर रही है तो सरकार को विचार करना चाहिए। सरकार प्रत्येक जिले में एक सैंट्रल रिजर्व फंड बनाये, जिससे कि ऐसी समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जा सके, ताकि गरीब व्यक्तियों को दर-दर न भटकना न पड़े।